|| विश्वस्तरीय ऑनलाइन ज्योतिष पोर्टल ||

Horoscope Website : https://JyotishShastra.com
AstroShopper (Astro Products Online Super Store) **:** https://AstroShopper.in
Email : care@jyotishshastra.com
WhatsApp Direct Link : https://wa.me/919520039039

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Pranjal Pandey	GENDER :	Male
DATE OF BIRTH :	26-03-1992	TIME OF BIRTH :	08:40 PM
CITY :	Fatehpur	STATE :	Uttar Pradesh
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Vedic Parashar	SERVICE NAME :	Wealth, Finance, Prosperity & Money Making Report
QUESTION(S) :	मेरा प्रश्न है कि मै अपने जीवन मे कैसे और कितना धन कमा सकता हूँ मै वर्तमान मे अप्रैल 2018 पोस्ट ऑफ़िस मे बाबू के पद पर कार्यरत हूं और सिविल सर्विसेज कि तैयारी भी कर रहा हू क्या उच्च अधिकारी बन पाऊंग मेरे लिए नौकरी, बिज़नेस या शेयर मार्किट मुख्यतः मै धन कमाने के लिए किस फील्ड मे प्रयास करू जिससे मै जीवन मे संतुष्टि पा सकू ।		
Address : Rani colony, Shukla wali gali, Fatehpur, Pin- 212601			
Mobile No. : 8299645633	Email ID : pranjal7012@gmail.com		
ORDER ID : #1091	PAYMENT ID : 345353810	AMOUNT : ₹721	
Order Date : 13/08/2020	Delivery Date : 18/08/2020	GSTIN : ####	

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	तुला
चंद्र राशि :	धनु
ईष्ट देव :	शनि

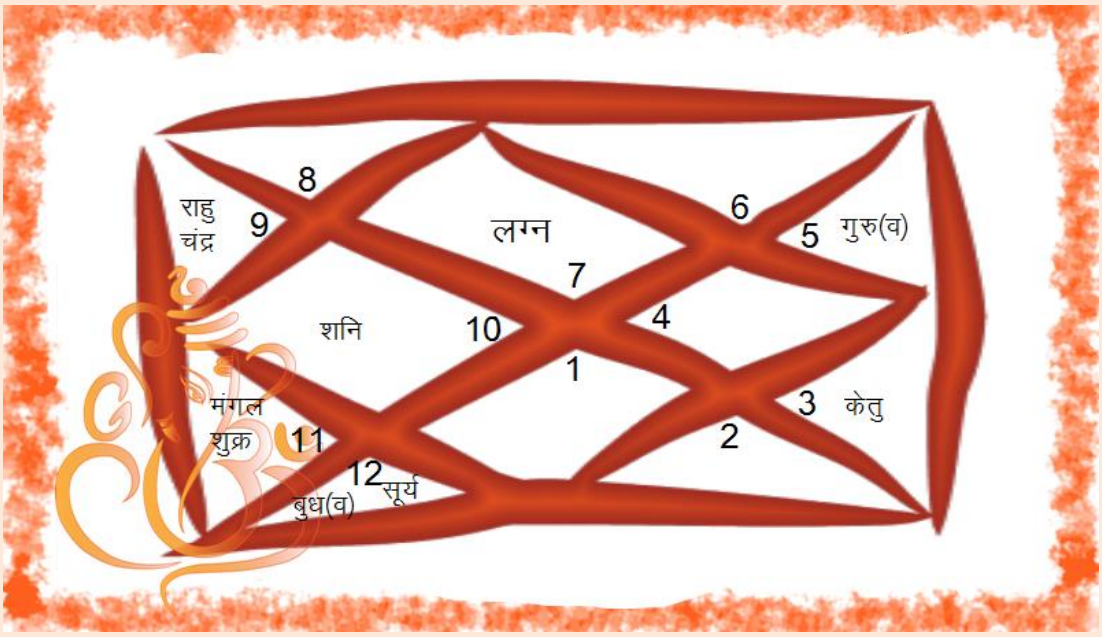

ॐ श्री गणेशाय नमः

कुंडली फलादेश :

श्रीमान प्रांजल पाण्डे जी आपका लग्न तुला है एवं लग्न स्वामी शुक्र पंचम भाव में है शुक्र अष्टम भाव का भी स्वामी है। प्रथम भाव एवं पंचम भाव का सम्बन्ध अत्यंत शुभ दायक है। इससे यह पता चलता है की आपको अपने जीवन में जो भी मिला है वह आपके पूर्व जन्म में किये अच्छे कर्मों के फलस्वरूप ही प्राप्त हुआ है।

इसके अतिरिक्त आपको यदि अपने इस जीवन में कुछ प्राप्त करना है तो उसके लिए आपको कठिन परिश्रम करना होगा। शनि आपकी कुंडली में चतुर्थ भाव में अपनी ही राशि मकर में स्थित है। जो चतुर्थ भाव को बल प्रदान कर रहे हैं। अतः इस कारण आपको जीवन में घर, गाडी, नौकर चाकर प्राप्त होंगे। शनि पंचम भाव के भी स्वामी है। जो धन लक्ष्मी योग बना रहे हैं। अतः आपको धन एवं सुविधाएं उच्च स्तर की प्राप्त होंगी। किन्तु इसके लिए आपको कठिन परश्रिम करना ही होगा। सभी चीज़ें सरलता से उपलब्ध नहीं होंगी। किन्तु जब प्राप्त होंगी तो भरपूर रूप से होंगी अपने एक्सट्रीम रूप में प्राप्त होंगी। अपने घर के दक्षिण भाग में स्थित वास्तु दोष को दूर करें।

तृतीय भाव के स्वामी बृहस्पति जी हैं जहां राहु व चन्द्रमा स्थित हैं। राहु चन्द्रमा की स्थिति अच्छी नहीं है। यह आपकी मनोस्थिति को विचलित चंचल व अस्थिर रखने वाली है। नवम भाव जो भाग्य भाव भी है भी केतु व राहु से पीड़ित चन्द्रमा से खराब हो रहा है जो जीवन में भाग्य को कठिन बनता है। भाग्य भाव का स्वामी बुध छटे भाव में सूर्य से अस्त होकर स्थित है। अर्थात जीवन में चीज़ें जो आप प्राप्त करना चाहते हैं कठिनाई से प्राप्त होने की ओर संकेत करता है। धन की स्थिति फ्लकचुएट होती रहेगी।

आप नौकरी भी करेंगे व आप व्यापार भी करेंगे। आपके अंदर धन कमाने की लालसा अत्यधिक है जिसके लिए आप विभिन्न क्षेत्रों में श्रम व मस्तिष्क लगाते-दौड़ाते हैं। इससे आपको धन लाभ भी होता है किन्तु यह स्थिति उचित नहीं है। आप अपना फोकस अपने मुख्य उद्देश्य की पूर्ती में केंद्रित करें तो आपको परिणाम भले ही देर से प्राप्त हों किन्तु जब प्राप्त होंगे तो अत्यंत अच्छे प्राप्त होंगे।

आप अतरिक्त धन व्यापार से अर्जित कर सकते हैं। व्यापार आप यदि खेती, जमीन से जुड़ा, रियल एस्टेट, बिल्डिंग मटेरियल का करें तो अधिक लाभदायक सिद्ध होगा।

आप मेटल, रियल एस्टेट, माइंस से सम्बंधित शेयर्स में इन्वेस्ट करें तो लाभदायक रहेगा किन्तु यहां आपकी आय कभी उप्पर कभी नीचे होती रहेगी। रिस्की है शेयर ट्रेडिंग आपके लिए अतः जब धन प्रचुर मात्रा में सरप्लस स्थिति में हो तब भली प्रकार से रिसर्च कर कुछ मात्रा में ही इन्वेस्ट करें तो अच्छा रहेगा।

आप बड़े अधिकारी बन सकते हैं आपके अधीनस्थ बहुत से लोग कार्य करेंगे। किन्तु इसके लिए आपको अपना मन एक लक्ष्य पर केंद्रित करना होगा व पढ़ाई में अत्यंत कठिन परिश्रम करना होगा।

नौकरी करें अथवा व्यापार ईगो - अहंकार का तुरंत त्याग कर दें। ऐसा न करने पर परिवार से सम्बन्ध खराब, नौकरी व व्यापार में हानि उठानी पड़ेगी। ध्यान रहे नौकरी अथवा व्यापार में अपने अधीनस्थों का उत्पीड़न न करें, उन्हें डांटे डपटे नहीं, उनसे प्रसन्नता पूर्वक व्यवहार रखें व उनका व उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखें। ऐसा करने से आपको दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति मिलेगी।

आपकी कुंडली में बृहस्पति पीड़ित है इस कारण आपके शुभ काम तुरंत नहीं होंगे, अड़चनों व्यवधानों के पश्चात ही काम बनेंगे।

आपका जीवन मध्यमवर्गीय स्तर का नहीं रहेगा। या तो अपने उच्चतम स्तर को छुएगा या अपने निम्नतम स्तर को। जैसा जीवन स्तर चाहते हैं वैसे ही कर्म करने प्रारम्भ कर दें, यही आपके लिए सर्वोपयुक्त उपाय है।

विशेष उपाय :-

- मांसाहार, मदिरापान कतई न करें। परस्त्री से सम्बन्ध न रखें।
- मजदूर, गरीब, लाचार, बेसहारा, अधीनस्थों की सामर्थ्य अनुसार सहायता करें।
- अहंकार व अहम का पूर्ण त्याग करें। क्रोध पर पूर्ण नियंत्रण करें।
- आधा कटोरी कच्चा दूध बाल्टी के जल में मिलाकर प्रतिदिन स्नान करें।
- हनुमान जी की भरपूर उपासना करें। मन्त्र जप करें, शनिवार की संध्या कल में मंदिर में जाकर चोला चढ़ाएं।
- मंगल के बीज मंत्र "ॐ क्रां क्रीं क्रौं स: भौमाय नम:" की एक रुद्राक्ष माला जप प्रतिदिन करें।

  महादशा काल में (21-11-2020 से 19-11-2027 तक)
- बुध बीज मंत्र "ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं स: बुधाय नम:" की एक रुद्राक्ष माला जप प्रतिदिन करें।

  21-05-2024 से 17-05-2025 तक
- बृहस्पति बीज मंत्र "ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरवे नम:" की एक रुद्राक्ष माला जप प्रतिदिन करें।

  06-05-2022 से 11-04-2023 तक
- आपके घर में दक्षिण, उत्तर एवं उत्तर - पाश्चिम दिशा में वास्तु दोष है, उसे दूर करवाएं।

नोट :- ज्योतिषशास्त्र, ज्योतिष में भाग्य से अधिक कर्म को प्रधान मानता हैं एवं हमारे द्वारा प्रदत्त कुंडली विश्लेषण पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं | जो कुंडली में लिखा हैं वह भाग्य हैं, जो बीत गया उसे ठीक तो नहीं किया जा सकता किन्तु अच्छे कर्मो के माध्यम से हम अपने आने वाले समय को सुखमय व सरल अवश्य ही बना सकते हैं | ज्योतिष अन्धकार से भरे मार्ग पर एक पथ प्रदर्शक के रूप में कार्य करता हैं |

यह भी सत्य है कि ज्योतिष किसी जातक को उसकी सीमा से परे तो नहीं ले जा सकता परन्तु हाँ उस जातक की सीमा के भीतर आ रहे अवरोधों व बाधाओं को दूर करने का मार्ग अवश्य प्रशस्त करता है |

नोट :- ज्योतिषशास्त्र द्वारा संचालित ईकॉमर्स पोर्टल : https://AstroShopper.in के माध्यम से आप विशेषज्ञों द्वारा विशेष विधि से सिद्ध एवं प्राण प्रतिष्ठित किये हुए नेचुरल एवं ऑरिजनल रत्न, ज्योतिष एवं वास्तु सम्बंधित यन्त्र, परद प्रोडक्ट्स, रुद्राक्ष बीज, रुद्राक्ष माला, स्फटिक प्रोडक्ट्स, फेंगशुई प्रोडक्ट्स, ऑनलाइन मंगवा सकते हैं |

उपायों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने अथवा असुविधा होने पर ईमेल आईडी care@jyotishshastra.com पर हमें ईमेल करें अथवा 9520039039 पर व्हाट्सऐप करें |

नोट :- साकारात्मक भावना व श्रद्धा से उक्त दिए गए उपायों को करें | उपाय बोझिल मन से कतई न करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

गुरुदेव संदीप पुलस्त्य

ज्योतिष एवं वास्तु आचार्य

— — — — — — — — — — — —

डिस्क्लेमर :- कुंडली विवेचना एवं प्रदत्त परामर्श पूर्णतया आपके द्वारा उपलब्ध कराये गए नाम, लिंग, दिवस, समय एवं स्थान पर आधारित हैं | उपलब्ध नाम, लिंग, दिवस, समय एवं स्थान भिन्न होने पर प्रस्तुत विवेचना एवं परामर्श परिवर्तित हो जायेगा जो आपके जीवन घटनाचक्र से भिन्न होगा |